भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 941

25 जुलाई 2025 को उत्तर के लिए

प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना

941. श्री नवीन जिंदल:

क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) योजना के अंतर्गत स्वीकृत नई डीप टेक और अत्याधुनिक नीतियों को मंजूरी दी है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उनकी प्रमुख विशेषताएँ/उद्देश्य क्या हैं;

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान स्टार्टअप और एमएसएमई सहित निजी क्षेत्र की कितनी संस्थाओं को इन नीतियों के माध्यम से धनराशि प्राप्त हुई है और समर्थित प्रौद्योगिकियों की प्रकृति क्या है;

(ग) 15 डीआरडीओ उद्योग अकादमिक उत्कृष्टता केंद्रों (डीआईए-सीओई) के माध्यम से शुरू की गई परियोजनाओं का राज्य-वार और संस्थान-वार ब्यौरा क्या है और इसमें शामिल किए जा रहे विशिष्ट भविष्य के अनुसंधान क्षेत्र क्या हैं;

(घ) डीआईए-सीओई और टीडीएफ के तहत समर्थित परियोजनाओं की प्रगति और परिणामों की निगरानी के लिए तंत्र का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार की महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के तेजी से स्वदेशीकरण के लिए अतिरिक्त सहायता उपायों को शुरू करने हेतु डीआईए-सीओई के नेटवर्क का विस्तार करने की कोई भविष्य की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संजय सेठ)

(क) जी हाँ, महोदय। माननीय रक्षा मंत्री द्वारा टीडीएफ के अंतर्गत डीप-टेक और अत्याधुनिक परियोजनाओं को अलग-अलग वर्टिकल के रूप में पूरा करने के लिए 500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अनुदान/कोष स्वीकृत किया गया है।

(ख) डीप-टेक परियोजनाओं के चयन और पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वर्तमान में, टीडीएफ द्वारा इस पहल के तहत 09 परियोजनाएँ शुरू की गई हैं और डीआरडीओ की अनुदान-सहायता योजना के तहत डीआईए-सीओई के माध्यम से स्वीकृत 04 परियोजनाओं में 09 उद्योग लगे हुए हैं।

(ग) पाउडर धातुकर्म, उच्च शक्ति माइक्रोवेव स्रोत और उपकरण, उन्नत बैलिस्टिक, स्मार्ट एंड इंटेलिजेंट टेक्स्टाइल टेक्नोलॉजी, फोटोनिक प्रौद्योगिकियां, एयरोस्पेस सिस्टम और सामग्री,

माइक्रो और नैनो सिस्टम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स, क्वांटम प्रौद्योगिकी, नौसेना प्रणाली और नौसेना प्रौद्योगिकियां, उच्च शक्ति सीडब्ल्यू लेजर स्रोत, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, उन्नत सामग्री और प्रसंस्करण, एयरो इंजन, रेगिस्तान युद्ध प्रौद्योगिकियां, सूचना और युद्ध-गेमिंग प्रौद्योगिकियों के लिए एआई, उन्नत नैनो सामग्री, सेमीकंडक्टर आधारित सेंसर आदि जैसे अनुसंधान क्षेत्रों को परियोजनाएं समेटे हुए हैं। शामिल संस्थानों की सूची परिशिष्ट 'क' के रूप में संलग्न है।

(घ) डीआरडीओ के पास शिक्षा जगत को शामिल करने के लिए दीर्घकालिक निर्देशित अनुसंधान नीति (एलटीडीआरपी) है। पूरे वर्ष नियमित अंतराल पर तीन चरणों में परियोजनाओं की निगरानी की जाती है। तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीईसी) नए परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन करती है और नियमित रूप से तकनीकी प्रगति की निगरानी करती है। अनुसंधान सलाहकार बोर्ड (आरएबी) टीईसी द्वारा अनुशंसित नई परियोजनाओं की समीक्षा करता है और उनकी प्रगति के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की निगरानी भी करता है और सीओई एवं परियोजनाओं के तकनीकी प्रबंधकीय मुद्दों का समाधान करता है। शासी परिषद परियोजनाओं को मंजूरी देती है, केंद्र के समग्र कामकाज और केंद्र के माध्यम से स्वीकृत परियोजनाओं की देखरेख करती है।

परियोजना निगरानी और परामर्श समूह (पीएमएमजी) द्वारा परियोजनाओं के पूरा होने तक उपलब्धियों के अनुसार नियमित रूप से टीडीएफ योजना के तहत विभिन्न उद्योगों को प्रदान की गई परियोजनाओं का मार्गदर्शन और निगरानी की जाती है। प्रदान की गई परियोजनाओं की प्रगति की मॉनिटरिंग करने के लिए डीजी (टीएम) की अध्यक्षता में हर माह तकनीकी समिति की एक बैठक और हर चार माह में सचिव डीडीआरंडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ की अध्यक्षता में सशक्त समिति की एक बैठक होती है। परियोजनाओं के परिणाम को मॉनिटर करने के लिए परीक्षण और प्रमाणन संचालित किए जाते हैं।

डीआरडीओ नियमित रूप से सेवाओं और डीपीएसयू के साथ बातचीत करता है और उन्हें सभी नई डीप टेक परियोजनाओं और उनकी प्रगति के बारे में सूचित करता है ताकि उनका उपयोग किया जा सके।

(च) मौजूदा केंद्र परिणाम-आधारित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए स्थिर और परिपक्व होने की प्रक्रिया में हैं। मौजूदा केंद्रों को उद्योग और शैक्षणिक सहयोगात्मक अनुसंधान के दायरे में लाने के लिए पर्याप्त प्रयास किए जा रहे हैं। 2022 में शुरू होने वाले नए केंद्र अभी भी रक्षा-उन्मुख व्यावहारिक परिणामों के लिए अनुसंधान को सुव्यवस्थित कर रहे हैं। इसे देखते हुए, नए डीआईए-सीओई स्थापित करने की तत्काल कोई योजना नहीं है, लेकिन सहयोगात्मक अनुसंधान का विस्तार करने के लिए, किसी भी स्थापित डीआईए-सीओई के माध्यम से प्रोजेक्ट एक्सप्लोर किए जा सकते हैं। किसी भी शैक्षणिक संस्थान के विद्वान डीआरडीओ के साझा अनुसंधान एवं विकास अभिरूचि के क्षेत्रों पर अवधारणा नोट/शोध प्रस्ताव किसी भी मौजूदा डीआईए-सीओई को भेज सकते हैं।

*****

"प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना" के संबंध में दिनांक 25.07.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 941 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लेखित अनुबंध-I

क्रम संख्या	राज्य	पीआई संस्थान	सह-पीआई संस्थान	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	आईआईटी तिरुपति		1
		जीआईटीएएम विश्वविद्यालय		1
		इंजीनियरिंग कॉलेज आंध्र विश्वविद्यालय विशाखापट्टनम		1
2	अरुणाचल प्रदेश	केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	पच्चुंगा विश्वविद्यालय कॉलेज, आइजोल (01)	1
3	असम	आईआईटी गुवाहाटी	असम विश्वविद्यालय, राज्य लोक स्वास्थ्य प्रयोगशाला, असम मिजोरम विश्वविद्यालय	2
		सीएसआईआर-एनईआईएसटी, जोरहाट	आईआईटी जम्मू (01)	4
4	दिल्ली	आईआईटी दिल्ली	एम्स (01), आईआईआईटी दिल्ली (01)	56
5	गुजरात	गुजरात विश्वविद्यालय		2
		एसवीएनआटी, सूरत	सी के पिथावला, सूरत (01)	1
6	जम्मू और कश्मीर	आईआईटी जम्मू		2
		केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू (सीयूजे)		7
7	झारखण्ड	आईआईएम रांची		1
8	कर्नाटक	आईआईएससी बेंगलुरु	सीओईपी पुणे (01), आईआईटी मद्रास (01), एनएएल बेंगलुरु (01)	36
		नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (एनआईएएस), बेंगलुरु		2
		एनआईटी सूरतकल	एआरसीआई हैदराबाद (01), सीजीसी आरआई कोलकाता (01)	1
		आईआईटी धारवाड़		1
9	मध्य प्रदेश	अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन		1

		संस्थान (एबीवी-आईआईआईटीएम) ग्वालियर		
10	महाराष्ट्र	आईआईटी बॉम्बे		16
		डीआईएटी पुणे		2
11	मेघालय	एनआईटी मेघालय	एनआईटी मणिपुर	1
12	मिजोरम	मिजोरम विश्वविद्यालय	एनआईटी, नागालैंड (01)	10
		एनआईटी मिजोरम		1
13	उड़ीसा	आईआईटी भुवनेश्वर		1
14	राजस्थान	आईआईटी जोधपुर	आईआईईएसटी शिबपुर (01), आईआईटी कानपुर (01)	6
15	तमिलनाडू	आईआईटी मद्रास	आईआईटी जोधपुर (01)	45
		आईआईटीडीएम, तमिलनाडू		1
		राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली		2
		श्री शिवसुब्रमैया नादर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई		1
16	तेलंगाना	आईआईटी हैदराबाद	आईआईटी मद्रास (01)	30
		हैदराबाद विश्वविद्यालय		2
		सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद		2
		आईआईआईटी हैदराबाद		1
		आईडीआरबीटी, हैदराबाद		1
17	त्रिपुरा	एनआईटी, अगरतला	मिजोरम विश्वविद्यालय (01)	1
18	उत्तर प्रदेश	आईआईटी बीएचयू	हैदराबाद विश्वविद्यालय (01)	13
		आईआईटी कानपुर		16
19	उत्तराखंड	आईआईटी रुड़की		9
20	पश्चिम बंगाल	सीएसआईआर-सीजीसीआरआई कोलकाता		4
		जादवपुर विश्वविद्यालय		5
		सीएसआईआर-सीएमईआरआई दुर्गापुर	एनआईटी दुर्गापुर (01)	6
		एनआईटी दुर्गापुर		2
		आईएसआई, कोलकाता		1
		आईआईटी खड़गपुर		3
कुल		55 विशिष्ट संस्थान		**302**